अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के

विश्वास के अनुच्छेद

1 हमअनन्त पिता परमेश्वर, और उसके पुत्र, यीशु मसीह, और पवित्र आत्मा में विश्वास करते हैं ।

2 हम विश्वास करते हैं कि मनुष्य अपने स्वयं के पापों की सजा भोगेगा न कि आदम के उल्लंघन की ।

3 हम विश्वास करते हैं कि मसीह के प्रायश्चित द्वारा, सारी मानवजाति, नियमों के प्रति आज्ञाकारिता और सुसमाचार की धर्मविधियों के द्वारा बचायी जासकती है ।

4 हम विश्वास करते हैं कि सुसमाचार के मुख्य सिद्धान्त और धर्मविधियां: पहला, प्रभु यीश मसीह में विश्वास; दूसरा, पश्चाताप; तीसरा, पापों की क्षमा के लिए डूबकी का बपतिस्मा; चौथा, पवित्र आत्मा के उपहार के लिए हाथों को रखना, हैं ।

5 हम विश्वास करते हैं कि मनुष्य परमेश्वर की तरफ से, भविष्वाणी द्वारा, और जिनकेपास अधिकार है उनके हाथों को रखने के द्वारा, सुसमाचार पढ़ाने और धर्मविधियों को करने के लिए नियुक्त किया जानाचाहिए ।

6 हम उसी संगठन में विश्वास करते हैं जोप्राचीन गिरजाघर में थे, जैसे, प्रेरित, भविष्यवक्ता, पादरी, शिक्षक, सुसमाचार प्रचारक, और इत्यादि ।

7 हम भाषाओं के उपहार, भविष्यवाणी, प्रकटीकरण, दिव्यदर्शन, चंगाई, भाषाओं के अनुवाद, और इत्यादि में विश्वास करते हैं ।

8 हम विश्वास करते हैं कि बाइबिल परमेश्वर का वचन है जहां तक इसका अनुवाद सही हुआ है; हम यह भी विश्वास करते हैं कि मॉरमन की पुस्तक परमेश्वर का वचन है ।

9 हम उन सब पर विश्वास करते हैं जो परमेश्वर ने प्रकट किया था, और जो वह अब प्रकट करता है, और हम विश्वास करते हैं कि वह आगे भी बहुत-सी महान और महत्वपूर्ण बातें जो कि परमेश्वर के राज्य से संबंधित हैं प्रकट करेगा ।

10 हम, इस्राएल के लोगों के वास्तविक इकट्ठा होने और दस जातियोंकी पुनःस्थापना होने; कि सिय्योन (नया यरूशलेम) अमरीकी महाद्वीप पर बनेगा; कि मसीह पृथ्वी पर स्वयं शासन करेगा; और कि पृथ्वी नई बनेगी और अपनी स्वर्गलोक की महिमा पाएगी, में विश्वास करते हैं ।

11 हम र्स्वशक्तिमान परमेश्वर की आराधना को अपने स्वयं के विवेकानुसार करने के विशेषाधिकारका दावा करते हैं, और सभी व्यक्तियों को यही विशेषाधिकारदेते हैं कि, वे जैसे, जहां और जिसकीचाहे आराधना करें ।

12 हम राजाओं, राष्ट्रपतियों, शासकों, और न्यायधीशों के आधीन नियमों का पालन करने, सम्मान देने, और सहयोग देने में विश्वास करते हैं ।

13 हम ईमानदार, सच्चे, शुद्ध, दानशील, सदाचारी होने और सब लोगों के साथ भलाई करने में विश्वास करते हैं; वास्तव में, हम यह कह सकते हैं कि हम पौलुस के आग्रह को मानते हैं—हम सब बातों में विश्वास करते हैं, हम सब बातों की आशा करते हैं, हमने बहुत-सी बातें सहन की और सब बातों को सहने की आशा करते हैं ।अगर कोई बात जो सदाचारी, प्रिय, या उत्तम या प्रशंसनीए है तो हम उसे पाने का प्रयत्न करते हैं ।

जोसफ स्मिथ

अन्तिम-दिनों के सन्तों का
यीशु मसीह
का गिरजाघर

© 2011 IRI. सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । 1/11. 1/11. *Articles of Faith* का अनुवाद । Hindi. 64370 294

HINDI
4 02643 70294 3
64370 294